प्रीलिम्स फैक्ट्स : 18 मई, 2018

बौद्धिक संपदा के शुभंकर 'आईपी नानी' का शुभारंभ

- वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय ने बौद्धिक संपदा (आईपी) का शुभंकर – 'आईपी नानी'लॉन्च किया।
- इस शुभंकर को राष्ट्रीय बौद्धिक संपदा अधिकार नीति के सम्मेलन में जारी किया गया था।
- राष्ट्रीय आईपीआर नीति 2016 का पहला और सबसे प्रमुख उद्देश्य "आईपीआर जागरूकता: आउटरीच एंड प्रमोशन" है।
- ध्यातव्य है कि शुभंकर आईपी नानी एक तकनीक-प्रेमी दादी है, जो अपने पोते "छोटू" यानी आदित्य की मदद से आईपी अपराधों का मुकाबला करने में सरकार और प्रवर्तन एजेंसियों की मदद करती है।
- आईपी शुभंकर लोगों के बीच बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर) के महत्त्व के बारे में जागरूकता का प्रसार करेगा, खासकर बच्चों के बीच।
- आईपीआर प्रमोशन एंड मैनेजमेंट (सीआईपीएएम) के लिये एक पेशेवर निकाय ने औद्योगिक नीति और संवर्धन विभाग (डीआईपीपी) के तहत एनमिटेड वीडियो की एक श्रृंखला को बनाने हेतु यूरोपीय संघ बौद्धिक संपदा कार्यालय (ईयू-आईपीओ) के साथ सहयोग किया है।

उत्तम पछरने ललित कला अकादमी के नियमित अध्यक्ष नियुक्त

- राष्ट्रपति ने श्री उत्तम पछरने को ललित कला अकादमी का नियमित अध्यक्ष नियुक्त किया है। श्री पछरने मशहूर कलाकार और मूर्तिकार हैं।
- इस समय वह कला अकादमी, गोवा की सलाहकार समिति के सदस्य और जन सेवा सहकारी बैंक बोरीवली के निदेशक तथा पी.एल. देशपांडे राज्य ललित कला अकादमी के सलाहकार सदस्य हैं।
- उन्हें 1985 में राष्ट्रीय ललित कला पुरस्कार, महाराष्ट्र सरकार से 1985 में महाराष्ट्र गौरव पुरस्कार, 1986 में जूनियर राष्ट्रीय पुरस्कार और प्रफुल्ल दहानुकर फाउंडेशन से 2017 में जीवन गौरव पुरस्कार मिल चुका है। पछरने पदभार संभालने की तारीख से 3 वर्ष के लिये इस पद पर रहेंगे।
- इससे पूर्व मार्च, 2018 में संस्कृति मंत्रालय में संयुक्त सचिव (शैक्षिक) श्री एम.एल. श्रीवास्तव को ललित कला अकादमी का स्थायी अध्यक्ष नियुक्त किया गया था, जिसके कारण नियमित अध्यक्ष की नियुक्ति लंबित थी।
- ललित कला अकादमी: ललित कला अकादमी का उद्घाटन तत्कालीन शिक्षा मंत्री मौलाना अबुल कलाम आज़ाद द्वारा 5 अगस्त, 1954 को नई दिल्ली में किया गया था।
- यह एक केंद्रीय संगठन है तथा विभिन्न कलाओं के विकास के लिये दिल्ली, चेन्नई, भुवनेश्वर, कोलकाता और लखनऊ राज्यों में इसके क्षेत्रीय केंद्र स्थापित किए गये हैं।

अदन की खाड़ी के ऊपर चक्रवाती तूफान 'सागर'

- पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय ने बताया कि 16 मई, 2018 की शाम में अदन की खाड़ी के ऊपर हवा का दबाव बना जिससे उष्णकटिबंधीय चक्रवात की उत्पत्ति हुई।
- अदन की खाड़ी में उत्पन्न हुए इस उष्णकटिबंधीय चक्रवात को 'सागर' नाम दिया गया।
- दोपहर के आसपास यह 390 किमी की रफ़्तार से पूर्व-उत्तर-पूर्व अदन (यमन) में और सोकोत्रा द्वीप में 560 किमी की रफ़्तार के साथ पश्चिम-उत्तर-पश्चिम में स्थित था।
- शुरुआत में सागर तूफान पश्चिम की ओर और बाद में पश्चिम-दक्षिण-पश्चिम की तरफ आगे बढ़ा।
- पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय- 12 जुलाई, 2006 को राष्ट्रपति की अधिसूचना के माध्यम से नए पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय (एमओईएस) की स्थापना की गई और इसके तहत भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी), भारतीय उष्णदेशीय मौसम विज्ञान संस्थान (आईआईटीएम) और राष्ट्रीय मध्यम अवधि मौसम पूर्वानुमान केंद्र (एनसीएमआरडब्ल्यूएफ) को प्रशासनिक नियंत्रण में लाया गया।

अफगान और पाकिस्तानियों हेतु अमीरात तट पर स्थित कालबा में आजीविका का साधन

- कालबा शहर मछली पकड़ने के पिंजरों के बुनाई शिल्प हेतु एक केंद्र बन गया है, जो अफगानों और पाकिस्तानियों के दर्जनों लोगों को आकर्षित करता है।
- ध्यातव्य है कि कालबा संयुक्त अरब अमीरात का एक पूर्वी शहर है।
- यह ओमान के उत्तर में ओमान तट की खाड़ी में स्थित है और दक्षिण में फुजैराह के अमीरात के शारजाह के अमीरात की ओर इसका झुकाव है।
- मछली पकड़ने के पिंजरे या तार नेट, का उपयोग ओमान की खाड़ी में किया जाता है।
- अंडाकार आकार के इन नेटों को एक इग्लू की तरह आकार दिया जाता है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/prelims-fact-18-05-2018